कोरोना से पड़ने वाले सामाजिक और आर्थिक प्रभाव पर प्रोजेक्ट बनाएंगे यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी

कपिल नीले ● नईदुनिया, इंदौर

कोरोना वायरस के संक्रमण को तोड़ने के लिए लॉकडाउन 3 मई तक बढ़ा दिया गया है। इस दौरान प्रत्येक क्षेत्र में पूरी तरह कामकाज बंद रहेगा। सामाजिक-आर्थिक रूप से लॉकडाउन का प्रभाव पड़ने लगा है। खासकर इंडस्ट्री को अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव करना पड़ा है। इसे लेकर ही देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडी (आईएमएस) ने एक्शन प्लान बनाने की तैयार की है। यह काम मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को दिया है। मेंटरिंग की जिम्मेदारी यहीं के शिक्षकों को दी है। विभाग की डायरेक्टर का कहना है कि लॉकडाउन से विद्यार्थियों में नकारात्मक विचार न पैदा हो इसके लिए प्रोजेक्ट बनाने को कहा है। बाकायदा रिपोर्ट के आधार पर इंडस्ट्री को सुझाव देंगे। ताकि वे इससे निपट सकेंगे।

लॉकडाउन की वजह से शैक्षणिक संस्थानों में कक्षाएं बंद हो चुकी है। कोर्स और सिलेबस पूरा करने के लिए यूजीसी ने ऑनलाइन स्टडी पर जोर दिया है। आईएमएस के विद्यार्थियों को अलग-अलग 16 क्षेत्रों में एक्शन प्लान बनाना है। शिक्षकों का कहना है कि कोरोना वायरस से सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों पर असर दिखने लगा है। कुछ समय बाद इंडस्ट्री को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल संस्थानों के कामकाज पूरी तरह बंद है। इन्हीं मुद्दों पर विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट बनाना है। इस रिपोर्ट के आधार पर कुछ सुझाव इंडस्ट्री के सामने रखेंगे। जिसे इन परिस्थितियों से इंडस्ट्री को उभरने में आसानी होगी। प्रत्येक टीम में 5-6 विद्यार्थियों का एक समूह बनाया है। प्रत्येक समूह का मार्गदर्शन विभाग के शिक्षक करेंगे। रिपोर्ट 10 दिनों में देना है। डायरेक्टर डॉ. संगीता जैन का कहना है कि लॉकडाउन में पढ़ाई जारी रखने और विद्यार्थियों में नकारात्मक विचार न आए, इसके लिए इन्हें एक्शन प्लान बनाने के लिए दिया है। प्रोजेक्ट में आने वाले सुझाव इंडस्ट्री के सामने रखेंगे।

इन मुद्दों पर बनाना है प्लान

- महामारी से भारतीय बाजार पर होने वाले प्रभाव : डॉ. दीपक श्रीवास्तव
- सुदृढ़ीकरण ऑनलाइन-प्रौद्योगिकी सक्षम विश्वविद्यालयों में शिक्षण : डॉ निरंजन श्रीवास्तव और डॉ. सोना फेटिंग
- प्रौद्योगिकी-शिक्षण प्रणाली और प्रक्रिया : डॉ. निरंजन श्रीवास्तव और डॉ.पीयूष केदुरकर
- कोविड 19 महामारी से महिलाओं के लिए होने वाली चुनौतियां : डॉ. निशा सिद्दीकी
- स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर : डॉ. सीसी मोटियानी
- शारीरिक फिटनेस, खेल और फिटनेस के लिए बाहरी गतिविधियां : डॉ. पंकज चौहान
- मानसिक स्वास्थ्य, मनोसामाजिक मुद्दे, परामर्श और परामर्श : डॉ. विवेक शर्मा
- जीवनशैली और व्यवहार संशोधन : डॉ. यामिनी कर्मकार
- संकट/आपदा के लिए तैयारी : डॉ.भानु प्रताप सिंह
- इंटर्नशिप, प्रशिक्षण और कॅरियर योजना : अवनीश व्यास
- स्टार्टअप और उद्यमशीलता : डॉ निशिकांत वायकर
- आर्थिक स्थिरता और विकास के लिए रणनीतियां - पोस्ट कोविड19 : डॉ. कपिल शर्मा
- वितीय योजना और निवेश : डॉ. एन.के. तोतला
- पर्यावरण चेतना : डॉ. प्रशांत चौबे
- भारतीय को एकीकृत करने के लिए वितीय सुधार विश्व के साथ अर्थव्यवस्था : डॉ. मनीष कांत आर्य